विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 15 अंक 276
पृष्ठ 18+4=22
देहरादून, शनिवार
04 फरवरी 2012
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 2.50

अर्नोल्ड की हसरत नहीं हुई पूरी 18 प्रफुल्ल पटेल पर रिश्वत लेने के आरोप

www.jagran.com उत्तराखंड • उत्तर प्रदेश • नई दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

जरा सी चूक पड़ सकती है भारी

- तेजी से बढ़ते साइबर अपराध, संभल कर करें इंटरनेट का इस्तेमाल
- फिशिंग, हैकिंग और इससे बचाव पर तुलाज इंस्टीट्यूट में हुआ सेमिनार

देहरादून, जागरण संवाददाता: आपकी जरा सी चूक आपके खाते की सारी रकम हवा कर सकती है, या फिर आपकी मेल पर पड़ा सारा डेटा। इतना ही नहीं आपकी मेल से किसी को धमकी या अश्लील सामग्री भी भेज सकती है। साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है, बचाव ही एकमात्र इलाज है। कैसे अपने डेटा और बैंक खातों की रक्षा करें, इसी मुद्दे पर प्रख्यात साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट स्वप्न पुरकैत ने लाइव डेमोस्ट्रेशन दिया। एक दिवसीय सेमिनार के दौरान उन्होंने ई-मेल, इंटरनेट बैंकिंग, सीसीटीवी कैमरा सिक्योरिटी के बारे में जानकारी दी।

आइआइटी खडगपुर के रिसर्च स्कॉलर व भारतीय एयर फोर्स, सीआइडी बंगाल, पुलिस ट्रेनिंग अकेडमी समेत आइआइएम व देश के विभिन्न संस्थानों के साथ नेटवर्क सिक्योरिटी पर काम कर चुके स्वप्न पुरकैत ने शुक्रवार को तुलाज इंस्टीट्यूट में आयोजित सेमिनार में छात्रों को साइबर सिक्योरिटी और हैकिंग के कारणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लाइव डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से ई-मेल अकाउंट हैक करके दिखाए, इंटरनेट बैंकिंग करने वालों की जानकारी जुटाए जाने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। साथ ही फिशिंग (इंटरनेट बैंकिंग डेटा चुराकर राशि निकालने का तरीका) से बचाव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह ई-मेल अकाउंट को सुरक्षित रखें। इसके लिए दो स्तर की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। इंटरनेट बैंकिंग करते समय ध्यान रखें कि जो वेबसाइट खोली गई है, वह फेक तो नहीं। यदि फेक आइडी पर अपना पासवर्ड डाल दिया और आपका खाता नहीं खुला तो समझ लें कि आपकी जानकारी चोरी हो चुकी है। तत्काल या तो बैंक को सूचित करें या फिर अपना पासवर्ड तत्काल बदले लें। ई-मेल सुरक्षित करने के लिए दोहरी सुरक्षा प्रणाली अपनाएं। इसके लिए मोबाइल वेरिफिकेशन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

तुलाज इंस्टीट्यूट में साइबर सिक्यूरिटी की जानकारी देते विशेषज्ञ।